भारत की सित्तवे बंदरगाह तक पहुँच

[स्रोत: बिज़नेस स्टैण्डर्ड](#)

हाल ही में **विदेश मंत्रालय (MEA)** ने **इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (IPGL)** को **म्याँमार के कलादान नदी** पर स्थित संपूर्ण **सित्तवे बंदरगाह** के संचालन को संभालने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। **चाबहार बंदरगाह** के बाद यह **भारत का दूसरा विदेशी** बंदरगाह होगा।

- **IPGL बंदरगाह, जहाज़रानी और जलमार्ग मंत्रालय के 100% स्वामित्व** वाली कंपनी है।

सित्तवे बंदरगाह:

- **म्याँमार के राखीन राज्य** में स्थित सित्तवे बंदरगाह, कलादान मल्टी-मॉडल ट्राँजिट ट्राँसपोर्ट प्रोजेक्ट का एक महत्त्वपूर्ण घटक है।
- यह एक गहरे जल वाला बंदरगाह है, जो बाँग्लादेश को दरकिनार करते हुए **वि़ज़ाग और कोलकाता से पूर्वोत्तर राज्यों** तक कार्गो के माध्यम से पहुँचने के लिये एक महत्त्वपूर्ण कनेक्टिविटी लाभ प्रदान करता है।
- इससे भूटान और बाँग्लादेश के बीच बने **सिलीगुड़ी कॉरिडोर (या चिकन नेक)** पर **निर्भरता भी कम** हो जाएगी।
- **इन 2 विदेशी बंदरगाहों, चाबहार और सित्तवे पर भारत का परिचालन नियंत्रण , श्रीलंका में हंबनटोटा, अफ्रीका में जिबूती** आदि बंदरगाहों के साथ चीन की स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स नीति का सामना करने के लिये भारत के समुद्री प्रभाव को मज़बूत करेगा।

//

और पढ़ें: भारत-म्याँमार संबंध: मुक्त आंदोलन की बाड़, भारत-बाँग्लादेश संबंध

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-gains-sittwe-port-access